ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–85
दिनांक: शुक्रवार, 06 नवम्बर, 2026

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन केअनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.5 एवं 19.0 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 93 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 65 प्रतिशत, हवा की औसत गति 6.2 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 3.0 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.9 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 25.4 एवं दोपहर में 30.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।इस अवधि मौसम शुष्क रहा है।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(07–11 नवम्बर, 2026)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 07 से 11 नवम्बर, 2026 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान उत्तर बिहार के सभी जिलों में मौसम के साफ एवं शुष्क रहने की संभावना है।
- इस दौरान अधिकतम तापमान 29–32°C तथा न्यूनतम तापमान 18–21°C के बीच रहने का अनुमान है।
- सुबह के समय सापेक्ष आर्द्रता 70–95% तथा दोपहर के समय 35–45% रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमान अवधि के दौरान अगले दो दिनों तक पछुआ हवा तथा उसके बाद पूर्वी हवा 3–8 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चलने की अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमान अवधि के दौरान मौसम साफ रहने की संभावना को देखते हुए, किसानों को धान की कटाई एवं दौनी का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने की सलाह दी जाती है।
- सरसोंः चक्रवात अर्नब के कारण हुई वर्षा से जिन किसानों की सरसों की बुआई नहीं हो पाई है, वे इस सप्ताह के अंत तक बुआई पूरी कर लें। सरसों की अनुशंसित किस्में *आर.एच.*749, *राजेंद्र सरसों*–1, *पी.एम.* 27, *पी.एम.* 28, *नवगोल्ड, एन.आर.सी.डी.आर.* 2, *एन. आर.सी.वाई.एस.* 05–02, एन.आर.सी.डी.आर. 601 एवं *एन.आर.सी.एच.बी.* 5–6 हैं। बुआई के लिए बीज दर 6 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा 30×10 सेमी की दूरी बनाए रखें। बुआई से पहले बीजों को कार्बेन्डाजिम दवा 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। तेल की मात्रा में वृद्धि के लिए सल्फर युक्त उर्वरकों का प्रयोग करें।
- चनाः वर्तमान मौसम चने की बुआई के लिए अनुकूल है। देसी चने की अनुशंसित किस्में *पूसा* 256, *के.पी.जी.* 59 (*उदय*), के.डब्ल्यू. आर. 108, *पंत जी* 189 *एवं पूसा* 372 हैं, जबकि काबुली चने के लिए *एच.के.*–2 *एवं एच.के.*–5–169 उपयुक्त किस्में हैं। बुआई से पहले बीजों को विटावैक्स या बाविस्टिन दवा से 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। इसके 24 घंटे बाद कटुआ कीट के प्रबंधन हेतु क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी का प्रयोग 2–4 मिलीलीटर प्रति किलोग्राम बीज की दर से करें। उपचारित बीजों को लगभग दो घंटे तक छाया में सुखाने के बाद अनुशंसित मात्रा में राइजोबियम कल्चर से उपचारित करें। देसी चने के लिए 75–80 किलोग्राम तथा बड़े दाने वाले काबुली चने के लिए 100 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग करें तथा 30×10 सेमी की दूरी बनाए रखें। आधार उर्वरक के रूप में प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 45 किलोग्राम फास्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।
- मटरः दलहनी फसल के रूप में मटर की बुआई करें। इसकी अनुशंसित किस्में *रचना, मालवीय मटर*–15, *अपर्णा,हरभजन, डी.डी.आर.* –23 (*पूसा प्रभात*), *काशी प्रिया, वी.एल.*–42, *अर्का प्रिया* एवं *शांतिवादा मटर*–1 हैं। बीज जनित रोगों से बचाव हेतु बुआई से 2–3 दिन पहले बीजों को थिरम 3 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज अथवा थिरम 2 ग्राम एवं कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज के मिश्रण से उपचारित करें। बुआई से ठीक पहले उपचारित बीजों को 5 पैकेट प्रति हेक्टेयर की दर से उपयुक्त राइजोबियम कल्चर से भी उपचारित करें। बुआई के लिए 75–80 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर अपनाएं तथा 30×10 सेमी की दूरी बनाए रखें। *हरभजन* एवं *पूसा प्रभात* किस्मों के लिए 20×5 सेमी की दूरी रखें। आधार उर्वरक के रूप में प्रति हेक्टेयर 20 किलोग्राम नाइट्रोजन, 45 किलोग्राम फास्फोरस, 20 किलोग्राम पोटाश तथा 20 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।
- गाजरः गाजर की बुआई करें। इसकी अनुशंसित किस्में *काशी कृष्णा, पूसा जामुनी, पूसा रुधिरा, पूसा असिता, अर्का सूरज, पूसा केसर, पूसा मथाली* एवं *पूसा यमदागिनी* हैं। 4–5 किलोग्राम बीज प्रति हेक्टेयर की दर से बुआई करें एवं 30×10 सेमी की दूरी बनाए रखें। प्रति हेक्टेयर 150–200 क्विंटल कम्पोस्ट खाद, 60 किलोग्राम नाइट्रोजन, 40 किलोग्राम फास्फोरस तथा 40 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें।
- लहसुनः लहसुन की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। 300–500 किलोग्राम जावा से एक हेक्टेयर क्षेत्र में बुआई करें तथा 15×10 सेमी की दूरी बनाए रखें। उत्तर बिहार के लिए *यमुना सफेद*–1, *यमुना सफेद*–2, *एग्रीफाउंड* (*जी*–41),*श्वेता* (*सिलेक्शन*–10), *एग्रीफाउंड पार्वती* (*जी*–313), *यमुना सफेद*–4 एवं *राजेंद्र लहसुन*–1 प्रमुख अनुशंसित किस्में हैं। प्रति हेक्टेयर 200–250 क्विंटल कम्पोस्ट खाद, 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 60 किलोग्राम फास्फोरस, 80 किलोग्राम पोटाश तथा 20–40 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें।
- ब्रोकलीः किसान भाई ब्रोकली की बुआई करें। उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित किस्में *पूसाके.टी.एस.*–1, *पालम समृद्धि, पालमविचित्रा, पालम कंचन* एवं *पंजाब ब्रोकली*–1 हैं। इसकी बीज दर 350–500 ग्राम प्रति हेक्टेयर है तथा 45×45 सेमी की दूरी पर रोपाई करें। प्रति हेक्टेयर 20 टन गोबर की खाद, 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 75 किलोग्राम फास्फोरस तथा 50 किलोग्राम पोटाश का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 30.8 डिग्री सेल्सियस, जो सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः 15.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी